



?????

08 Oct 2025

02:15 AM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120930005

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 7-08/10/2025
दिन _____: मंगल-बुधवार
जन्म समय _____: 02:15:00 घंटे
इष्ट _____: 49:55:32 घटी
स्थान _____: Saharanpur
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:58:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 01:55:12 घंटे
वेलान्तर _____: 00:12:11 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:02:11 घंटे
सूर्योदय _____: 06:16:47 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:58:02 घंटे
दिनमान _____: 11:41:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 20:37:14 कन्या
लग्न के अंश _____: 27:24:16 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 1
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: व्याघात
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

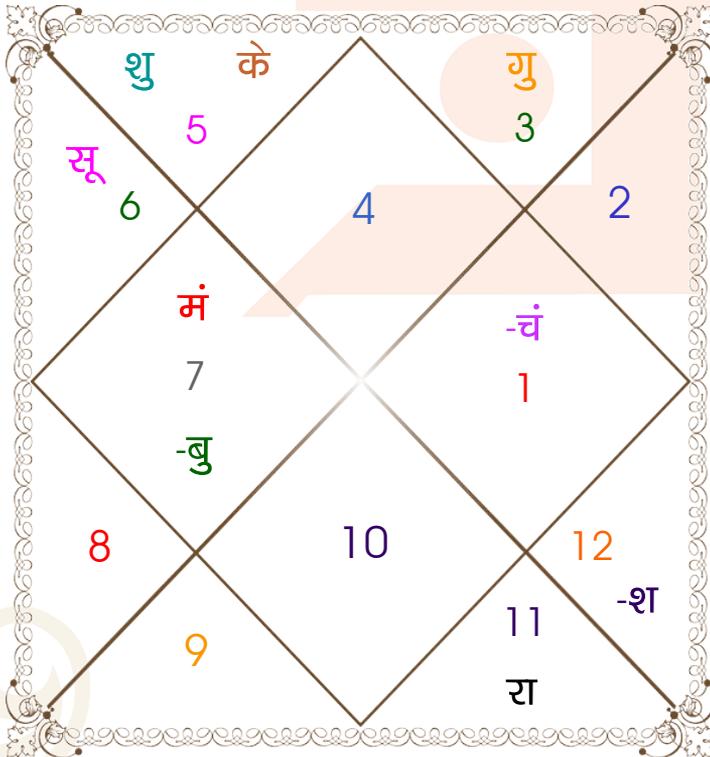
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न		कर्क	27:24:16	306:47:07	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य		कन्या	20:37:14	00:59:11	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र		मेष	00:29:26	15:00:24	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
मंगल		तुला	16:20:40	00:41:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध		तुला	07:32:16	01:29:34	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु		मिथु	29:01:33	00:06:19	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र		सिंह	28:19:18	01:14:11	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व	मीन	03:01:58	00:04:19	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व	कुंभ	23:58:31	00:02:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व	सिंह	23:58:31	00:02:57	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व	वृष	06:50:11	00:01:30	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व	मीन	06:08:52	00:01:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व	मक	07:09:30	00:00:11	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव		मेष	23:47:31	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

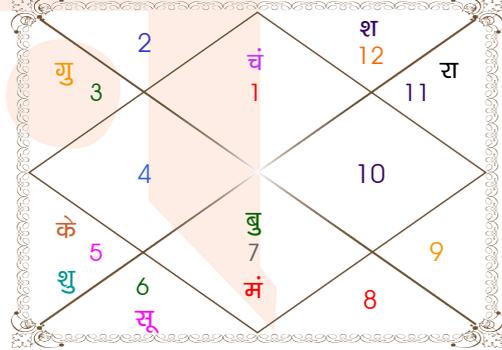
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

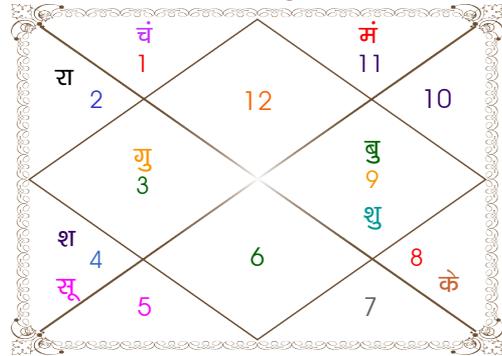
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 8 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
08/10/2025	05/07/2032	05/07/2052	06/07/2058	05/07/2068
05/07/2032	05/07/2052	06/07/2058	05/07/2068	06/07/2075
केतु 02/12/2025	शुक्र 05/11/2035	सूर्य 23/10/2052	चंद्र 06/05/2059	मंगल 01/12/2068
शुक्र 01/02/2027	सूर्य 04/11/2036	चंद्र 23/04/2053	मंगल 05/12/2059	राहु 20/12/2069
सूर्य 09/06/2027	चंद्र 06/07/2038	मंगल 29/08/2053	राहु 05/06/2061	गुरु 26/11/2070
चंद्र 08/01/2028	मंगल 05/09/2039	राहु 24/07/2054	गुरु 05/10/2062	शनि 05/01/2072
मंगल 05/06/2028	राहु 05/09/2042	गुरु 12/05/2055	शनि 05/05/2064	बुध 01/01/2073
राहु 23/06/2029	गुरु 06/05/2045	शनि 23/04/2056	बुध 05/10/2065	केतु 30/05/2073
गुरु 30/05/2030	शनि 05/07/2048	बुध 28/02/2057	केतु 06/05/2066	शुक्र 30/07/2074
शनि 09/07/2031	बुध 06/05/2051	केतु 06/07/2057	शुक्र 05/01/2068	सूर्य 05/12/2074
बुध 05/07/2032	केतु 05/07/2052	शुक्र 06/07/2058	सूर्य 05/07/2068	चंद्र 06/07/2075

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
06/07/2075	06/07/2093	07/07/2109	06/07/2128	07/07/2145
06/07/2093	07/07/2109	06/07/2128	07/07/2145	00/00/0000
राहु 18/03/2078	गुरु 24/08/2095	शनि 09/07/2112	बुध 03/12/2130	केतु 09/10/2145
गुरु 11/08/2080	शनि 06/03/2098	बुध 19/03/2115	केतु 30/11/2131	00/00/0000
शनि 18/06/2083	बुध 12/06/2100	केतु 27/04/2116	शुक्र 30/09/2134	00/00/0000
बुध 04/01/2086	केतु 19/05/2101	शुक्र 28/06/2119	सूर्य 06/08/2135	00/00/0000
केतु 23/01/2087	शुक्र 18/01/2104	सूर्य 09/06/2120	चंद्र 05/01/2137	00/00/0000
शुक्र 22/01/2090	सूर्य 05/11/2104	चंद्र 08/01/2122	मंगल 02/01/2138	00/00/0000
सूर्य 17/12/2090	चंद्र 07/03/2106	मंगल 17/02/2123	राहु 21/07/2140	00/00/0000
चंद्र 17/06/2092	मंगल 11/02/2107	राहु 24/12/2125	गुरु 27/10/2142	00/00/0000
मंगल 06/07/2093	राहु 07/07/2109	गुरु 06/07/2128	शनि 07/07/2145	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह है। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेंगे यह आप ही जानते हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता हैं तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करें। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर हैं। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।

